



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 11]
No. 11]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 17, 2006/पौष 27, 1927
NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 17, 2006/PAUSA 27, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना
नई दिल्ली, 16 जनवरी, 2006

विषय : चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेंसिलीन-जी के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करना।

फा. सं. 14/12/2005-डीजीएडी.—मै0 सदरन पेट्रो केमिकल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन, ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन, संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक याचिका प्रस्तुत की है जिसमें चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेंसिलीन - जी के कथित पाटन के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

और चूंकि, प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देश से पाटन घरेलू उद्योग को क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है इसलिए प्राधिकारी एतद्वारा उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच शुरू करते हैं ताकि किसी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण किया जा सके एवं पाटनरोधी शुल्क की उस राशि के संबंध में सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाता है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

घरेलू उद्योग

2. घरेलू उद्योग की ओर से मै0 सदरन पेट्रो केमिकल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन द्वारा याचिका दायर की गई है और उन्होंने दावा किया है कि भारत में पेंसिलीन-जी के तीन और उत्पादक हैं। मै0 जे के फार्मा ने संयंत्र को बंद कर दिया है, मै0 एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ोदरा द्वारा सितम्बर, 2004 में उत्पादन रोक दिया गया है तथा मै0 टॉरेंट बायोटेक लिमिटेड द्वारा भी सितम्बर, 2005 में उत्पादन रोक दिया गया है। प्राधिकारी के पास उपलब्ध साक्ष्यों के अनुसार, याचिकाकर्ता के पास पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) और नियम 5(3) (क) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच हेतु मामला दायर करने का आधार है।

विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पादक "पेंसिलीन - जी" है (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा जाएगा), जिसका चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा जाएगा) के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में पाटन किया जा रहा है। पेंसिलीन एक एकल यौगिक न होकर एकरूपता वाले कई यौगिकों का समूह है। ये सभी समान आधारभूत गोलाकार संरचना वाले होते हैं, इन्हें एक ट्राईपेप्टाइड मध्यवर्ती द्वारा दो प्रकार के अमीनो एसिड (पेंसिलीन और सिस्टीन) से प्राप्त किया जाता है। पेंसिलीन एक बीटा-लैक्टम प्रतिजैविकीय है जिसका उपयोग अतिसंवेदनशील, सामान्यतः ग्राम-पॉजिटिव जीवाणुओं द्वारा होने वाले जीवाण्विक संक्रमण के इलाज में किया जाता है। "पेंसिलीन" नाम का तात्पर्य या तो पेंसिलीन के विभिन्न प्रकारों से है अथवा पेंसिलीन से प्राप्त होने वाले प्रतिजैविकीयों के समूह से है। संबद्ध वस्तु, सीमाशुल्क उपशीर्ष 29.41.10 के तहत तथा सुमेलीकरण प्रणाली पर आधारित भारतीय व्यापार वर्गीकरण के तहत वर्गीकृत है। यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है तथा जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तु

4. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु, संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के "समान वस्तु" है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पेंसिलीन - जी तथा चीन जन.गण. के आयात भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विनिर्दिष्टियां, कीमत निर्धारण, वस्तुओं के वितरण एवं विवरण जैसी विशेषताओं के संदर्भ में तुलनीय तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। अतः जांच के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित पेंसिलीन - जी को संबद्ध देश से आयातित पेंसिलीन - जी (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा जाएगा) के समान उत्पाद माना जा रहा है।

शामिल देश

5. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन.गण. है।

सामान्य मूल्य

6. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए यथोचित समायोजनों के साथ परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का दावा किया है। प्राधिकारी ने यथासंशोधित, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 की दृष्टि से याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे की जांच करने का प्रस्ताव रखा है। प्राधिकारी ने प्रथम दृष्ट्या, याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य पर विचार किया है और प्राधिकारी इस पर जांच शुरूआत के प्रयोजनार्थ विचार किया जा रहा है।

निर्यात कीमत

7. आई बी आई एस (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आसूचना प्रणाली) तथा डी जी सी आई एंड एस (वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय) द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत के संबंध में दावा किया गया है। निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, निर्यात के देश में अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग और पत्तन प्रभार इत्यादि के आधार पर कीमत समायोजनों का दावा किया गया है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु हेतु याचिकाकर्ता द्वारा निर्यात कीमत एवं दावा किए गए समायोजनों के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

पाटन मार्जिन

8. इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य, निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देश से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

पाटनरोधी जांच की शुरूआत

9. उपर्युक्त पैराग्राफों के मद्देनजर निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा एवं प्रभाव की जांच करने हेतु पाटनरोधी जांच शुरू करते हैं।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

10. याचिकाकर्ता ने कथित पाटन के परिणामस्वरूप पाटित आयातों की बढ़ती मात्रा, कीमत कटौती, गंवाई गई बिक्रियां तथा घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट के कारण अपने बाजार हिस्से में गिरावट से हुई क्षति के संबंध में साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण याचिकाकर्ता को हुई वास्तविक क्षति के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं।

जांच की अवधि

11. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 अक्टूबर, 2004 से 30 सितम्बर, 2005 है। तथापि, क्षति जांच की अवधि में वर्ष 2001-2002 से वर्ष 2004-2005 और जांच अवधि शामिल होगी।

सूचना प्रस्तुत करना

12. ज्ञात संबद्ध निर्यातकों एवं आयातकों एवं घरेलू उद्योग को अलग-अलग सूचित किया जा रहा है ताकि वे निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत कर सकें। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार वर्तमान जांच में भाग लेने के लिए इस पते पर लिख सकता है:

निर्दिष्ट प्राधिकारी,
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
कमरा संख्या 240
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

समय-सीमा

13. वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए, जो उपर्युक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अपूर्ण है तो प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकता है।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

14. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

15. सभी हितबद्ध पक्षकार उपर्युक्त नियमावली के नियम 7(1) के अनुसार उपलब्ध कराई गई गोपनीय सूचना के लिए नियम 7(2) के संदर्भ में एक गोपनीय तथा एक अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराएंगे।

16. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकता है तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकता है।

क्रिस्टी फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 16th January, 2006

**Subject: Initiation of Anti-Dumping Investigations Concerning Imports of Pencillin-G
Originating in or Exported from China PR.**

F. No. 14/12/2005-DGAD.—M/s Southern Petro Chemical Industries Corporation, has filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) in accordance with the customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of injury) Rules, 1995 (herein after referred to as AD Rules) for initiation of anti dumping investigation concerning alleged dumping of Pencillin-G originating in or exported from China PR.

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping from the subject country, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Domestic Industry:-

2. Application has been filed by M/s Southern Petro Chemical Industries Corporation on behalf of the domestic industry and they claimed that there were three more producers of Pencillin-G in India. M/s J.K. Pharma has closed the plant, M/s Alembic Limited, varorada has suspended the production in September 2004 and M/s Torrent Biotech Limited has also suspended the production in September 2005. As per the evidence available before the Authority, applicant has the standing to file the case for anti dumping investigation on behalf of domestic industry as per Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of Anti Dumping Rules.

Product under consideration:-

3. The product under consideration is "Pencillin-G" (herein after referred to as the subject goods) which is being dumped in the Indian market by the exporters from China

117 GI/06 — 2

PR(hereinafter referred to as subject country). Pencillin is not a single compound but a group of closely related compounds, all with the same basic ring-like structure (a **beta-lactam**) derived from two amino acids (valine and cysteine) via a tripeptide intermediate. Pencillin is a β -lactam antibiotic used in the treatment of bacterial infection caused by susceptible, usually Gram-positive, organisms. The name "pencillin" can either refer to several variants of pencillin available, or to the group of antibiotics derived from the pencillin. The subject goods are classified within Customs subheading 29.41.10 and Indian Trade Classification based on Harmonized system. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

Like articles:-

4 The applicant has claimed that the goods produced by them are "like articles" to the goods originating in or exported from the subject country. Pencillin-G produced by the domestic industry and imports from China PR are comparable, technically and commercially substitutable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing of the goods. Therefore, for the purpose of investigation the Pencillin-G produced by the applicant is being treated as **like articles** of Pencillin-G (hereinafter referred to as subject goods) imported from subject country within the meaning of the AD Rules.

Countries involved:-

5 The country involved in the present investigation is China PR.

Normal value:-

6 The Authority notes that the applicant has claimed normal value of subject goods in China PR based on constructed cost of production with appropriate adjustments treating China PR as non-market economy. The Authority proposes to examine the claim of the applicant in the light of Para 7 and 8 of Annexure I of AD Rules, as amended. The Authority has prima-facie considered the normal value of subject goods in China PR on the basis of constructed cost of production as made available by the applicant and it has been considered by the Authority for the purpose of initiation.

Export Price:-

7 The export price has been claimed on the basis of import data provided by IBIS (International Business Information System) and DGCI&S(Director General Commercial Intelligence and Statistics), Kolkata. Price adjustments have been claimed on account of Ocean freight, marine insurance, inland transportation in the country of exports, port handling and port charges etc to arrive at the net export price. There is sufficient evidence of export price and the adjustments claimed by the applicant for the subject goods from the subject country.

Dumping margin:-

8. There is sufficient evidence that the normal value of the subject goods in the subject country is significantly higher than the net export price indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject country.

Initiation of Anti Dumping Investigations:-

9. The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject good originating in or exported from the subject country.

Injury and Causal Link:-

10. The applicant has furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of fall in their market share because of increased volume of dumped imports, price undercutting, lost sales and substantial decline in profitability for the domestic industries. There is sufficient prima-facie evidence of the material injury being suffered by the applicant caused by dumped imports from subject country.

Period of investigation:-

11. The period of investigation(hereinafter referred to as POI) for the purpose of present investigation is 1st October 2004 to 30th September 2005. The injury investigation period will however cover the periods from 2001-2002 to 2004-2005 and the POI.

Submission of information:-

12. The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority
(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)
Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Department of Commerce
Room No. 240
Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

Time limit:-

13. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of

publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

INSPECTION OF PUBLIC FILE:-

14. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

15. All interested parties shall provide a confidential and non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra.

16. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deem fit.

CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority